

वार्तालाप सी.डी. नं. 287, तारीख: 07.04.07, बहादुरगढ़+फर्रुखाबाद  
Disc.CD No.287, dated 07.04.07 at Bahadurgarh

समय 13.00 बहादुरगढ़ वार्ता

जिज्ञासू :- बाबा, कई भाईयों का संकल्प है माउंट आबू में जमीन लेने के लिए। ये ठीक है या गलत है?

बाबा :- तुम बच्चे परमधाम को इस सृष्टि पर उतार लेंगे। वो सृष्टि में जगह कहां होगी जहां परमधाम को उतार लेंगे? परमधाम है अविनाशी धाम। वो तो हैं सूक्ष्म और यहां होगा स्थूल। तो वो अविनाशी धाम कहां होगा? कोई जगह है जहां होगा? वो तपस्या का प्रभाव आदि से लेकर अंत तक कहां होगा? (किसी ने कुछ कहा) नहीं। जो आत्मा बने हुए बच्चे होंगे, जिनका देहभान टूटा हुआ होगा, वो ही अपना घरबार और बीबी बाल बच्चे त्याग करके वहां बुद्धि जाने की उनकी बनेगी, ऐसी बुद्धि। और जिनका मोह लगा हुआ होगा धन सम्पत्ति में, प्रापर्टी बनाने में, बीबी बाल बच्चों में, वो वहां परमधाम में नहीं पहुंचेंगे। तुम बच्चे। कौनसे बच्चे? वो बच्चे या तुम बच्चे? तुम किसको कहां जाता है? जो बाबा को सन्मुख पहचानते हैं, वो तुम बच्चे परमधाम को इस सृष्टि पर उतारेंगे। तो अकेला चना भाड़ फोड़ेगा क्या? सारे संगठित हो करके और ऐसा वायुमण्डल बनायेंगे कि जो वहां पहुंचेगा दुनियांवी व्यक्ति उसकी बुद्धि चेन्ज हो जायेगी। वो पारसनाथ का मन्दिर बन जायेगा।

समय 12.30 फर्रुखाबाद वार्ता

जिज्ञासू :- बाबा, 2500 साल तक संकल्पों के द्वारा शूटिंग चलता है ना, उसके बाद जो शूटिंग चलता है वो प्रैक्टिकल कर्मों के आधार पर चलता है क्या?

बाबा :- ब्रह्मा द्वारा संकल्पों से सृष्टि रची गई। संकल्प है बीज, संकल्पों का बीज पड़ता है तो प्रैक्टिकल में वृक्ष होता है, पौधा बनता है, प्रैक्टिकल करने वाला अलग और प्लानिंग करने वाला अलग। इंजीनियर होते हैं प्लानिंग करने वाले। उसको कहा प्लानिंग पार्टी। उनसे करा-धरा कुछ भी नहीं जाता; लेकिन स्वर्ग की प्लानिंग पूरी बनाय दी। नई दुनियां की, नई सृष्टि की प्लानिंग बनाय देते हैं। नये मकान की। उनसे कहा जाये कि प्रैक्टिकल में कुछ तो करके दिखाओ - तो कुछ नहीं कर पायेंगे और प्रैक्टिकल पार्टी होती है वो करके दिखाती है। प्लानिंग के आधार पर चलके दिखाती है। प्लानिंग बनाय नहीं सकते; लेकिन प्लानिंग सफल कर देते हैं। वो होता है प्यूरिटी की पावर से। प्यूरिटी से प्रैक्टिकल होता है।

जिज्ञासू:- बाबा, प्रैक्टिकल पार्टी का इम्पोर्टेंस ज्यादा है इसका मतलब?

बाबा:- इम्पोर्टेंस तो दोनों की है। इंजीनियर्स नहीं होंगे तो नए मकान का नक्शा ही नहीं बनेगा और इंजीनियर्स को इन्सपिरेट करने वाला मालिक नहीं होगा, इन्सपिरेटिंग पार्टी नहीं होगी, तो इंजीनियर्स भी कुछ नहीं करेंगे। तीनों ही पार्टियां चाहिए। लास्ट चान्स लेती है प्रैक्टिकल पार्टी। तो काम सम्पन्न हो जाता है। उन्हीं का स्नेह और सहयोग लेने के लिए बोला; क्योंकि वो स्नेही है, सहयोगी है करना चाहते हैं।

**Time: 13.00, Bahadurgarh**

**Someone asked:** Baba, many brothers are thinking of buying land at Mt.Abu. Is it right or wrong?

**Baba replied:** (Baba has said that) you children will bring down the Supreme Abode to this world. Where in this world will be that place where the Supreme Abode will be brought down? The Supreme Abode is an indestructible abode. That is subtle and here it will be physical. Then, where will that imperishable abode be? Is there any place where that would be (located)? Where will the effect of that *tapasya* (penance) be from the beginning to the end? (Someone said something) No. Only those children who would have become souls, only those, who would have lost their body consciousness will be able to leave their household,

wife and children and their intellect would become such that they will make-up their intellect, to go there. And those, who would have attachment in wealth and property, in making property, in their wife and children, will not reach the Supreme Abode [that is formed] there. “You children”. Which children? “Those children” or “you children”? Who is addressed as ‘you’? Those who recognize Baba face to face, such “you children” will bring down the Supreme Abode to this world. So, *akela chana bhaad fodega kya* i.e. will a single person be able to achieve such a great task? [this Hindi phrase literally means ‘a single corn will not be able to break the oven (for parching grains)’/one swallow cannot make a summer] Everyone will unite and create such an atmosphere that the intellect of any worldly person who reaches that place will change. It will become a temple of *Paarasnath*.

**Time: 12.30, Farrukhabad**

**Someone asked:** Baba, the shooting takes place through thoughts for 2500 years, isn’t it? Does the shooting that takes place after that, take place on the basis of practical actions?

**Baba replied:** The world was created by Brahma through thoughts. Thoughts are seeds. When the seed of thoughts is sown, then the tree grows in practical, a plant grows. The one who does things in practical is different and the one who makes planning is different. Engineers are the ones who do planning. That is called as the planning party. They are unable to do anything (in practical). But they have prepared the planning of the heaven completely. They prepare the planning of the new world, the new creation; of the new house. If they are asked to do something in practical and show – they will not be able to do anything and the practical party, does it and shows. It acts on the basis of the planning and shows. They cannot do planning, but they make the planning fruitful. That happens through the power of purity. Purity makes it practical.

**Someone asked:** Baba, the importance of the practical party is more, what does this mean?

**Baba replied:** Both have importance. If there are no engineers, then the design/blueprint/sketch of the new house would not get prepared at all. And if the master who inspires the engineers is not there; if there is no inspiring party, then even the engineers will not do anything. All the three parties are required. The practical party takes the last chance. Then the task gets accomplished. It has been told to take their love and cooperation because they are loving, cooperative. They wish to do (in practical).

.....  
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.